



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2018/00168

दर्ज तिथि:-09.07.2018

1. पहाड़सिंह पुत्र भमरा
2. परबतसिंह पुत्र भमरा
3. हडमतसिंह पुत्र भमरा
4. सूरसिंह पुत्र भमरा
5. जालमसिंह पुत्र भमरा
6. मामता पुत्र उका फौत के कायम मुकाम

6/1 हडमतसिंह पुत्र मामता

6/2 दुर्गसिंह पुत्र मामता

6/3 मकनसिंह पुत्र मामता

6/4 मोडसिंह पुत्र मामता

6/5 लाधूसिंह पुत्र मामता

6/6 रेशमी कंवर पत्नी मामता

जाति राजपूत निवासी जीवाणियों की ढाणी (बारासण) तहसील गुढामालानी-बाड़मेर

.....प्रार्थीगण

बनाम

सत्यमेव जयते

1. देवाराम पुत्र डूंगराराम
2. भैराराम पुत्र डूंगराराम
3. मिसराराम पुत्र डूंगराराम
4. भोमाराम पुत्र डूंगराराम
5. धुड़ी पत्नी डूंगराराम
6. अर्जुनराम पुत्र जोगाराम
7. तुलछी पत्नी जोगाराम
8. मगाराम पुत्र करनाराम
9. पुरो पत्नी करनाराम
10. खींयाराम पुत्र हरदान
11. हुकमा पुत्र हरदान
12. पना पुत्र रेखा
13. लाला पुत्र उदा
14. झीमो पत्नी लालाराम
15. गंगा पुत्र वेहना
16. ओमप्रकाश पुत्र वालाराम



17. प्रभुराम पुत्र वालाराम
18. मगुदेवी पत्नी वालाराम  
जाति जाट निवासी जीवाणियों की ढाणी बारासण तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
19. शाखा प्रबन्धक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा गुड़ामालानी
20. शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा गुड़ामालानी
21. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुड़ामालानी
22. अर्जूनसिंह पुत्र दानसिंह
23. गुलाबसिंह पुत्र जोरसिंह
24. गीगीदेवी पत्नी जोरसिंह
25. चनणसिंह पुत्र दानसिंह
26. जयसिंह पुत्र जोरसिंह
27. प्रतापसिंह पुत्र मोडाराम
28. बलवन्तसिंह पुत्र जोरसिंह
29. भैरसिंह पुत्र जगमालसिंह
30. मेती देवी पत्नी जगमालसिंह
31. रतनसिंह पुत्र दानसिंह
32. शैतानसिंह पुत्र दानसिंह
33. समदा पत्नी दानसिंह फौत
34. सांवलसिंह पुत्र जगमालसिंह  
जाति राजपूत निवासी जीवाणियों की ढाणी तहसील गुड़ामालानी जिला बाडमेर

.....अप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:- श्री जगदीश विश्नोई

अप्रार्थीगण:-श्री डालुराम चौधरी

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए

राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955

**---निर्णय:---**

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 682 रकबा 34 बीघा 01 बिस्वा मौजा जीवाणियों की ढाणी पटवार मण्डल बारासण तहसील गुड़ामालानी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके पर खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी तहसील गुड़ामालानी से होते प्रार्थीगण के खेत तक विद्यमान रास्ता मौके पर चालू है। उक्त विद्यमान रास्ते में खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी में प्रार्थीगण के आने-जाने हेतु रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है तथा विप्रार्थीगण वक्त काश्त उक्त खसरों में काश्त कर लेते हैं। जिससे प्रार्थीगण को अपने जोत तक आने-जाने से बाधित हो जाते हैं। अतः खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी में से होकर करीब 30 फीट

चौडाई का नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। प्रार्थीगण का कथन है कि प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को करीब 30 फुट चौडाई में रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

2. प्रकरण में हाजा न्यायालय द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रस्तुत मौका रिपोर्ट के आधार पर दिनांक 02.09.2019 को निर्णय पारित किया गया। अप्रार्थीगण द्वारा उक्त निर्णय दिनांक 02.09.2019 के विरुद्ध अपील माननीय राजस्व अपील प्राधिकारी बाड़मेर में प्रस्तुत की गई। माननीय न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी बाड़मेर द्वारा हाजा न्यायालय के निर्णय दिनांक 02.09.2019 को अपास्त किया जाकर खसरा संख्या 684 व 683 के खातेदारों को हस्तगत प्रकरण में पक्षकार संयोजित किया जाकर रास्ते के उपलब्ध समस्त विकल्पों का अवलोकन करते हुए बाद समुचित सुनवाई गुणावगुण पर विधिसम्मत निर्णय पारित करने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात् प्रकरण दिनांक 01.02.2023 को पुनः सुनवाई में लिया गया। प्रकरण में प्रार्थीगण एवं प्रार्थीगण के अधिवक्ता के हाजिर न्यायालय नहीं आने से प्रकरण दिनांक 04.04.2023 को प्रार्थीगण की अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज किया गया। तत्पश्चात् प्रार्थी द्वारा प्रार्थना-पत्र आदेश-09 नियम-04 सिविल प्रक्रिया संहिता-1908 का प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रार्थना पत्र दिनांक 26.12.2024 को स्वीकार किया जाकर प्रकरण पुनः रिमाण्ड किया गया।
3. प्रार्थना पत्र पुनः दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। बाद तामिल अप्रार्थीगण संख्या 06 ता 10 एवं 31 असागतन-वकालतन उपस्थित न्यायालय हुए। शेष अप्रार्थीगण के बावजूद विधिवत तामिल अनुपस्थित रहने से शेष अप्रार्थीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। अधिवक्ता अप्रार्थीगण संख्या 06 ता 10 द्वारा सीधे बहस का निवेदन किया गया। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी से हाजा न्यायालय के पत्रांक/कोर्ट/आरए/2024/164 दिनांक 26.03.2025 से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जॉच रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 को मौका रिपोर्ट तैयार कर प्रेषित की। जो कि शामिल मिसल की गई।
4. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक उभयपक्षकारान की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए मुताबिक प्रार्थना-पत्र अनुतोष स्वीकार करते हुए प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया। अभिभाषक अप्रार्थीगण द्वारा मौका रिपोर्ट पर प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण की आराजी पर अवैध कब्जा किया हुआ है। अतः अप्रार्थीगण की आराजी पर प्रार्थीगण द्वारा किये गये कब्जे के संबंध में दोनों पक्षों की खातेदारी आराजी पैमाईश करवाई जाकर स्पष्ट मौका रिपोर्ट तलब किये जाने का निवेदन किया गया। अप्रार्थीगण के उक्त कथन पर प्रार्थीगण द्वारा सहमति प्रदान करते मौका रिपोर्ट तलब किये जाने का निवेदन किया गया। प्रकरण में पक्षकारान सहमति के आधार पर हाजा न्यायालय के पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/297 दिनांक 15.05.2025 द्वारा मौका रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार

गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भू.अ./2025/839 दिनांक 30.05.2025 द्वारा मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई। तत्पश्चात् प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई।

5. प्रकरण में प्रकरण में विद्वान अभिभाषक उभयपक्षकारान की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए मुताबिक प्रार्थना-पत्र अनुतोष स्वीकार करते तहसीलदार गुड़ामालानी के मौका रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./2025/839 दिनांक 30.05.2025 के अनुसार प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया। अभिभाषक अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर निम्न प्रकार निवेदन किया गया:-

- कि प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी की नेखमबंदी करवाई जाकर बिन्दु संख्या ए से बी व सी से डी स्थापित किये गये हैं। प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण के खसरा संख्या 680 में संलग्न नक्शा परिशिष्ट-सी के अनुसार बिन्दु संख्या ए से बी एवं सी से डी के बीच अनाधिकृत कब्जा किया हुआ है।
- कि प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण के मध्य हुए राजीनामा के अनुसार उक्त अनाधिकृत कब्जे की भूमि व रास्ते के लिये क्षतिपूर्ति के रूप में भूमि के बदले भूमि के विकल्प पर सहमति बनी है। उक्त राजीनामा के अनुसार राजीनामा के संलग्न परिशिष्ट-सी में दर्शाये बरंग आसमानी बिन्दु संख्या जी से एच के मध्य प्रस्तावित रास्ता भूमि के बदले भूमि विकल्प पर देने तथा अप्रार्थीगण के खेत खसरा संख्या 680 के भू-भाग पर बिन्दु संख्या ए से बी के बीच बरंग केसरिया भाग पर प्रार्थीगण द्वारा किये गये अनाधिकृत कब्जे की भूमि के बदले प्रार्थीगण द्वारा अपने खेत के खसरा संख्या 682 में परिशिष्ट-सी में दर्शित बिन्दु संख्या ई से एफ के बीच बरंग हरा के स्थान पर अप्रार्थीगण को भूमि देना तय हुआ है। साथ ही अप्रार्थीगण के खसरा संख्या 680 के भू-भाग पर परिशिष्ट-सी के अनुसार बिन्दु संख्या सी से डी के बीच बरंग केसरिया पर भी प्रार्थीगण का अनाधिकृत कब्जा है। उसको भी खाली कर कब्जा अप्रार्थीगण को सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है।
- कि प्रकरण में न्यायालय श्रीमान द्वारा मौका रिपोर्ट तलब की गई है। उक्त मौका रिपोर्ट में बिन्दु संख्या ए से बी के बीच प्रार्थीगण की आराजी पर अप्रार्थीगण द्वारा 13 बिस्वा भूमि पर अनाधिकृत कब्जा बताया गया है। जबकि मौके पर स्थापित नेखम और मेड़ के बीच की भूमि लगभग 01 बीघा 06 बिस्वा है। अतः अप्रार्थीगण को अप्रार्थीगण के खसरा संख्या 680 में प्रार्थीगण के अनाधिकृत कब्जे की भूमि बिन्दु संख्या ए से बी के स्थान पर बिन्दु संख्या ई से एफ के मध्य दी जाने वाली भूमि का पुनः क्षेत्रफल ज्ञात कर, प्राप्त क्षेत्रफल के बराबर क्षेत्रफल की भूमि व प्रार्थीगण के रास्ते के बदले क्षतिपूर्ति के रूप में प्रार्थीगण के खसरा संख्या 682 में दर्शित बिन्दु संख्या ई से एफ के मध्य बरंग हरा भाग की भूमि पर अप्रार्थीगण को दिये जाने हेतु सहमत हैं।
- कि अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 680 पर प्रार्थीगण के अनाधिकृत कब्जे (संलग्न परिशिष्ट-सी के बिन्दु संख्या ए से बी व बिन्दु संख्या सी से डी के मध्य बरंग केसरिया) की पैमाईश व स्थापित नेखम के अनुसार वास्तविक क्षेत्रफल ज्ञात कर बराबर माप की भूमि अप्रार्थीगण को प्रदान करने

एवं रास्ते के बदले क्षतिपूर्ति के रूप में रास्ते के उपयोग में आई भूमि के बराबर भूमि का कब्जा प्रार्थीगण को अपनी खातेदारी के खेत खसरा संख्या 682 में से अप्रार्थीगण को सौंपने एवं राजस्व रिकॉर्ड में अमलदरामद होने के पश्चात् अप्रार्थीगण संलग्न परिशिष्ट-सी के बिन्दु संख्या जी से एच के बीच बरंग आसमानी भाग में प्रस्तावित रास्ता देने हेतु सहमत हैं।

6. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है—

**251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -**

(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or

(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route. or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted or in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.

(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.

(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

**68. Application under Sec. 251-A.** - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form I.

**69. Enquiry and disposal of application.** - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

**70. Determination of compensation.** - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी खातेदारी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफत हेतु अन्य खातेदारों की खातेदारी आराजी में से होकर कुछ शर्तों

के अधीन नवीन रास्ता रिकॉर्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत् अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत् आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

### वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता

7. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम प्रथम शर्त प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत् अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत सर्वप्रथम यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है अथवा नहीं। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर चालू है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते से ही आवागमन करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।
2. द्वितीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर अतिक्रमण की वजह से चालू नहीं है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते को मौके पर अतिक्रमण हटवाकर चालू करवाने के लिये संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए अनुतोष प्राप्त करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।
3. तृतीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है तो उस स्थिति में प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को प्रथम शर्त को पुष्ट मानते हुए द्वितीय शर्त पर परखा जाना चाहिए।

8. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955, के नियम 68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-4 में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। साथ ही तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ. /251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 से इस तथ्य की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल

रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 के अवलोकन से प्रथमदृष्टया प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 682 रकबा 34 बीघा 01 बिस्वा मौजा जीवाणियों की ढाणी 682 रकबा 34 बीघा 01 बिस्वा मौजा जीवाणियों की ढाणी तक पहुंचने हेतु रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। इस प्रकार अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी में प्रार्थीगण के आने हेतु रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। इस प्रकार प्रकरण उक्त तृतीय स्थिति के अंतर्गत आता है एवं शर्त संख्या 01 की पूर्णरूप से पुष्टि प्रतीत होती है।

### रास्ते की आत्यांतिक आवश्यकता

9. प्रथम शर्त की पुष्टि पश्चात् द्वितीय शर्त खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक है। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से आरम्भ होकर प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड एवं विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते से आगे अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
2. द्वितीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंचने वाले लेकिन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होकर केवल मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क को धारा-251-ए के तहत विद्यमान मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क की चौड़ाई या विस्तारित चौड़ाई के रास्ते पर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते को ही रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होता है। उक्त स्थिति में भी प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
3. तृतीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरों से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह संशय उत्पन्न होता है कि प्रार्थी द्वारा गलत मंशा से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत

किया गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक नहीं होकर केवल सुविधाजनक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि नहीं करता प्रतीत होता है।

4. चतुर्थ स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरों से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह स्थिति हो सकती है कि जिन खसरों से रास्ते का अंकन नहीं चाहा गया है वो कोई प्रतिबंधित भूमि किस्म या सामलाती भूमि यथा-चारागाह, नदी, नाले आदि के खसरे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्रतिबंधित भूमि किस्म या सामलाती भूमि से होकर रास्ते के अंकन की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसी स्थिति में केवल खातेदारी भूमि से होकर रास्ते का अंकन तथा प्रतिबंधित भूमि में रास्ते का गैर-अंकन अपेक्षित होता है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
10. उक्त प्रकरण में उक्त प्रस्तावित रास्ते के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक रिकॉर्डेड रास्ता की अनुपस्थिति रिकॉर्ड एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 के अवलोकन से स्पष्ट है। साथ ही प्रार्थी को प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./2024/2278 दिनांक 11.11.2024 अनुसार रास्ते की अत्यांतिक आवश्यकता प्रतीत होती है। उक्त प्रकरण स्थिति संख्या 01 के अंतर्गत आता है। इस प्रकार प्रकरण में प्रार्थी को नवीन रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आत्यांतिक प्रतीत होती है। इस प्रकार शर्त संख्या 02 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है।

### लघुत्तम मार्ग का निर्धारण

11. अतः उक्त विश्लेषण के अनुसार शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क तथा राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अवलोकन से स्पष्ट है कि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने के पश्चात् न्यायालय द्वारा तृतीय शर्त लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुत्तम मार्ग रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु प्रार्थना-पत्र में आवेदित रास्ते ही लघुत्तम रास्ता है अथवा अप्रार्थी/तहसीलदार मौका रिपोर्ट द्वारा लघुत्तम रास्ते का अन्य कोई विकल्प प्रस्तावित किया गया है। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न दो स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता ही लघुत्तम रास्ते का विकल्प है। इस हेतु संबंधित तहसीलदार की मौका रिपोर्ट/स्वयं पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण से उक्त शर्त की पुष्टि किया जाना आवश्यक है। उक्त स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते को ही लघुत्तम रास्ता माना जाना व्यावहारिक/कानूनन प्रतीत होता है।
2. द्वितीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता के अतिरिक्त अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते/नजदीकी रास्ते का विकल्प प्रस्तावित किया जाता है। ऐसी स्थिति में तहसीलदार की मौका रिपोर्ट/स्वयं पीठासीन अधिकारी के मौका निरीक्षण एवं पत्रावली के तथ्यों व राजस्व रिकॉर्ड के अवलोकन के साथ-साथ निम्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते/नजदीकी रास्ते के मार्ग का निर्धारण किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है:-

स्थिति	विवरण
1.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की सीमा।
2.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की व्यावहारिकता।
3.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की प्रार्थी की रहवास/घर के संदर्भ में व्यावहारिकता।
4.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प

	में आने वाली आराजी के रकबे की अप्रार्थी की खातेदारी आराजी के रकबे के संदर्भ में व्यावहारिकता।
5.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे की क्षतिपूर्ति की प्रकृति (राशि/भूमि के बदले भूमि) के संदर्भ में व्यावहारिकता।
6.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर अप्रार्थीगणों के मध्य सहमति/असहमति के संदर्भ में व्यावहारिकता।
7.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर प्रार्थी द्वारा पूर्व से आमद-रफत के संदर्भ में व्यावहारिकता।
8.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अन्य काश्तकारों को होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
9.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर निर्माण/वृक्ष व अन्य सम्पत्तियों की अवस्थिति के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
10.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अप्रार्थी के खसरे/संयुक्त खसरो/मौके पर एकल चकबंदी के खसरो के विखण्डन के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
11.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर आने वाले खसरे/खसरो की संख्या के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
12.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर आने वाले खसरे/खसरो के खातेदारों की एकलता/बहुलता के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
13.	अन्य बिन्दु जो न्यायालय प्रकरण-दर-प्रकरण आवश्यक समझे।

12. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रार्थी की खातेदारी आराजी 682 रकबा 34

बीघा 01 बिस्वा मौजा जीवाणियों की ढाणी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी में से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु निवेदन किया है। साथ ही प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 680 रकबा 149 बीघा मौजा जीवाणियों की ढाणी से होकर लघुत्तम मार्ग को प्रस्तावित किया गया है। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 के अवलोकन अनुसार प्रार्थीगण द्वारा आवेदित तथा तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 में अंकित रास्ता का मार्ग ही लघुत्तम मार्ग प्रतीत होता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प मुताबिक तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 द्वारा प्रस्तावित मार्ग का विकल्प को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

13. प्रकरण में प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 682 तक पहुँच हेतु अप्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 680 से होकर नवीन रास्ता हाजा न्यायालय के पूर्वादेश दिनांक 02.09.2019 द्वारा स्वीकार किया गया था। उक्त आदेश को माननीय न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी बाड़मेर द्वारा अपील आदेश दिनांक 17.10.2022 के द्वारा अपास्त करते हुए तहत अदालत हाजा न्यायालय को इस आदेश के साथ प्रतिप्रेषित किया कि खसरा संख्या 683 एवं 684 के खातेदारों को पक्षकार संयोजित करते हुए रास्ते के उपलब्ध समस्त विकल्पों का अवलोकन करने के पश्चात् अप्रार्थीगण को समुचित सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए नियमानुसार गुणावगुण पर पुनः निर्णय पारित किया जावे। साथ ही प्रार्थीगण द्वारा हाजा न्यायालय के निर्णय दिनांक 02.09.2019 की पालना में जमा करवाई गई क्षतिपूर्ति राशि को आगामी आदेश में समायोजित किया जावे। इस पर अपीलीय न्यायालय के आदेशों की पालना में तहसीलदार गुड़ामालानी से पुनः मौका रिपोर्ट तलब की गई। इसकी पालना में खसरा संख्या 683 एवं 684 के खातेदारों को पक्षकार संयोजित करते हुए तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 को मौका रिपोर्ट के साथ संलग्न नजरी नक्शा निम्न प्रकार है—



14. प्रकरण में उक्त मौका रिपोर्ट के अवलोकन से ज्ञात होता है कि तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मौका स्थिति के अनुसार प्रार्थीगण की आराजी तक पहुंच हेतु रास्ते के तीन विकल्प (बिन्दु संख्या ए से बी, डी से सी एवं ई से एफ) प्रस्तुत किये हैं। साथ ही प्रकरण में अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थीगण हेतु प्रस्तावित रास्ते में आई भूमि की एवज में समान रकबे की भूमि प्रदान करने एवं प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण के खसरा संख्या 680 पर किये गये अनाधिकृत कब्जे की बाद पैमाईश उक्त कब्जाशुदा भूमि के बराबर भूमि प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी में दर्ज किये जाने के साथ नवीन रास्ता विकल्प बिन्दु संख्या ई से एफ दिये जाने पर सहमति प्रदान की गई है। इस पर प्रार्थीगण द्वारा भी उक्तानुसार सहमति प्रदान की गई है।
15. उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 को प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ऐ स्वीकार है। प्रकरण में उभयपक्षकारान के मध्य तीन बिन्दुओं पर सहमति बनी है। उक्त तीन बिन्दुओं में से **प्रथम बिन्दु** के तहत प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी 682 तक अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी के खसरा संख्या 680 में से होकर तहसीलदार रिपोर्ट दिनांक 17.04.2025 के साथ संलग्न नजरी नक्शे में अंकित बिन्दु संख्या ई से एफ तक 18 फिट चौड़ाई का रास्ता अंकित किया जावे। **द्वितीय बिन्दु** के तहत उक्त नवीन रास्ते के एवज में अप्रार्थीगण की खातेदारी के खसरा संख्या 680 के सेढासेढ प्रार्थीगण के खातेदारी आराजी के खसरा संख्या 682 में से उक्त रास्ते में आई आराजी के समान रकबे की आराजी प्रकरण में प्रस्तुत राजीनामा दिनांक 16.06.2025 के साथ संलग्न परिशिष्ट-सी में अंकित बिन्दु संख्या ई से एफ के स्थान पर अप्रार्थीगण की खातेदारी में दर्ज की जावे। **तृतीय बिन्दु** के तहत तहसीलदार रिपोर्ट दिनांक 20.05.2025 के साथ संलग्न नजरी नक्शे में अंकित बिन्दु संख्या ए से बी के स्थान पर अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी पर प्रार्थीगण के कब्जे की एवज में समान रकबे की आराजी प्रकरण में प्रस्तुत

राजीनामा दिनांक 16.06.2025 के साथ संलग्न परिशिष्ट-सी में अंकित बिन्दु संख्या ई से एफ के स्थान पर प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 682 में से कम करते हुए उक्त नवीन रास्ते का राजीनामा के तहत अप्रार्थीगण की खातेदारी खसरा संख्या 680 में दर्ज की जावे। अतः तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 की मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार खसरा संख्या 48/36 के मध्य से लाल रंग से अंकित कर प्रस्तावित लघुत्तम मार्ग बतौर 18 फुट चौड़ा गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान तथा भूमि उपलब्ध करवाने के पश्चात् राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः उक्त राजीनामे के तीनों बिन्दुओं के तहत प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण पक्षकारान के मध्य राजीनामा दिनांक 16.06.2025 के आधार पर स्वीकार किया जाता है। राजीनामा दिनांक 16.06.2025 के प्रथम बिन्दु के तहत प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी 682 तक अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी के खसरा संख्या 680 में से होकर तहसीलदार रिपोर्ट दिनांक 17.04.2025 के साथ संलग्न नजरी नक्शे में अंकित बिन्दु संख्या ई से एफ तक 18 फिट चौड़ाई का रास्ता अंकित किया जावे। द्वितीय बिन्दु के तहत उक्त नवीन रास्ते के एवज में अप्रार्थीगण की खातेदारी के खसरा संख्या 680 के सेढासेढ प्रार्थीगण के खातेदारी आराजी के खसरा संख्या 682 में से उक्त रास्ते में आई आराजी के समान रकबे की आराजी प्रकरण में प्रस्तुत राजीनामा दिनांक 16.06.2025 के साथ संलग्न परिशिष्ट-सी में अंकित बिन्दु संख्या ई से एफ के स्थान पर अप्रार्थीगण की खातेदारी में दर्ज की जावे। तृतीय बिन्दु के तहत तहसीलदार रिपोर्ट दिनांक 20.05.2025 के साथ संलग्न नजरी नक्शे में अंकित बिन्दु संख्या ए से बी के स्थान पर अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी पर प्रार्थीगण के कब्जे की एवज में समान रकबे की आराजी प्रकरण में प्रस्तुत राजीनामा दिनांक 16.06.2025 के साथ संलग्न परिशिष्ट-सी में अंकित बिन्दु संख्या ई से एफ के स्थान पर प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 682 में से कम करते हुए उक्त नवीन रास्ते का राजीनामा के तहत अप्रार्थीगण की

खातेदारी खसरा संख्या 680 में दर्ज की जावे। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी को आदेशित किया जाता है कि उक्त राजीनामा दिनांक 16.06.2025 की पालना करते हुए नवीन रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावे। प्रकरण में प्रार्थीगण द्वारा पूर्व आदेश दिनांक 02.09.2019 की पालना में जमा करवाये गई राशि को प्रार्थीगण को वापिस भुगतान करने के निर्देश दिये जाते हैं। राजीनामा दिनांक 16.06.2025 तथा तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित पत्रांक/भू.अ./251ए/2025/645 दिनांक 23.04.2025 एवं पत्रांक/भू.अ./2025/839 दिनांक 30.05.2025 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।

उक्त निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवायी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 07.07.2025 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुड़ामालानी-बाड़मेर